पाकिस्तान में हैं उन मुमालिक के सामने वहां की सरकारों के सामने उन अड्डों का भी जिक्र किया होगा, जो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उन सरकारों का इस के बारे में क्या रिएक्शन है, वह कुछ बता सकेंगे ?

श्री इन्द्र कुमार गुजराल : सभापति जी, आम तौर पर और बाय एंड लार्ज बाहर के देशों ने हमारी बातों को समझा भी है और माना भी है और आम तौर पर दुनिया के अंदर यह बात मानी गई है कि क्या पाकिस्तान हमारे अंदरूनी मामलात में दखलंदाजी कर रहा है और पाकिस्तान टैरोरिस्टों को सहारा दे रहा है, ट्रेन कर रहा है और हमारे यहां भेज रहा है ।

श्री सभापति : प्रश्न संख्या 22

श्री रजनी रंजन साहू : मंत्री महोदय ने पूरा उत्तर नहीं दिया ?

श्री सभापति : अब तो सवाल आगे पहुंच चुका है । प्रश्न संख्या 22 ।

कश्मीर और पंजाब में हत्याएं

*22. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नवम्बर, 1989 के पश्चात् तथा 30 अप्रैल, 1990 तक कश्मीर और पंजाब में विभिन्न घटनाओं में कितने-कितने व्यक्ति मारे गए और सरकार द्वारा उनके परिवारों को अब तक किस प्रकार की सहायता प्रदान की गई ;

(ख) नवम्बर, 1989 से पूर्व के तीन वर्षों के दौरान कश्मीर और पंजाब में आतंकवादी गतिविधियों के कारण हुई वारदातों में वर्षवार कितने-कितने व्यक्ति मारे गए ;

(ग) पंजाब और कश्मीर में अब तक कितने-कितने आतंकवादी पकड़े जा चुके हैं तथा उनके कब्जे से बरामद राइफलों सहित गोला-बारूद का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) सरकार तेजी से बढ़ रही आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए क्या कदम उठा रही है, और आतंकवादी गतिविधियों को कब तक समाप्त कर दिए जाने की संभावना है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) अभी तक प्राप्त सूचना के अनुसार संदर्भित अवधि के दौरान जम्मू और कश्मीर में 306 तथा पंजाब में 678 व्यक्ति मारे गए । कश्मीर में मारे गए व्यक्तियों के परिवारों के जीवित सदस्यों को एक लाख रुपए की राशि देय है । पंजाब के मामले में मृतकों के निकट संबंधी को जीवन-निर्वाह भत्ते के साथ-साथ 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि देय है ।

(ख) उपलब्ध सूचना के अनुसार इस अवधि के दौरान कश्मीर और पंजाब में मारे गए व्यक्तियों की संख्या क्रमश: 69 और 3786 है ।

(ग) उपलब्ध सूचना के अनुसार पंजाब तथा जम्मू और कश्मीर में 1987 से गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों की संख्या क्रमश: 9934 तथा 1166 है ।

बरामद किए गए शस्त्र और गोला बारूद के बारे में उपलब्ध सूचना इस प्रकार है :—

	शस्त्र	गोला-बारूद
पंजाब	5735	185406
जम्मू एवं कश्मीर	241	25417

(घ) पंजाब सरकार द्वारा किए गए उपायों में, आतंक विरोधी गतिविधियों का निकटता से पर्यवेक्षण करना, बेहतर संचार व्यवस्था और जवाबी कार्रवाई के समय

में कमी लाने के लिए पुलिस नियंत्रण कक्षों को सुदृढ करना, जहां आवश्यक हो छानबीन कार्यों को गहन करना, टास्क फोर्स की स्थापना करना, सीमा पर सतकर्ता में वृद्धि तथा सर्वेदनशील क्षेत्रों में कांटेदार बाड़ लगाने जैसे कार्य किए गए हैं।

जम्मू और कश्मीर में उठाए गए कदमों में प्रशासन को सुदृढ करना, पुलिस स्टेशनों के कार्यकाल में सुधार करना, राज्य पुलिस, केंद्रीय पुलिस बल तथा सेना के मध्य बेहतर समन्वय करना, निवारक गिरफ्तारियां करना, छानबीन कार्य करना, उच्च अधिकारियों द्वारा समन्वित पर्यवेक्षण करना तथा सीमा पर सतर्कता बढ़ाना शामिल है।

स्थिति में सुधार लाने के लिए पंजाब और जम्मू कश्मीर सरकारों द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

SHRI JAGESH DESAI: Sir, such a big reply, it should have been laid on the Table.

SHRIMATI MARGARET ALVA: The statement should have been laid on the Table.

डा० अबरार अहमद खान: अध्यक्ष महोदय, जो जवाब है वह बिल्कुल लीपा-पोती है और इसमें कहा गया है कि नवम्बर, 1989 के पश्चात 30 अप्रैल, 1990 तक कश्मीर में 306 और पंजाब में 678 व्यक्ति मरे हैं तो इनके इस रिप्लाई से यह तो बिल्कुल स्पष्ट है कि इन तीन महीनों में जो 306 और 678 व्यक्ति कश्मीर और पंजाब में मरे हैं। इसके दूसरे पार्ट में मैंने पूछा था कि नवम्बर, 89 से पूर्व के तीन वर्षों में कितने मरे थे ? तो 3 वर्षों में मरने वालों का जो रिप्लाई दिया है उसमें जम्मू और कश्मीर के अंदर मात्र 69 आदमी हैं इन तीन वर्षों में और इनके रिजीम में इन 3 महीनों में कितने लोग मरे हैं वह 306, इससे यह तो बिल्कुल स्पष्ट है कि कितना ज्यादा आतंकवाद वहां बढ़ा है।

मैं जो सवाल पूछना चाहता हूं उसमें माननीय अध्यक्ष महोदय, यह तो बिल्कुल स्पष्ट है कि कश्मीर में हिन्दू-मुस्लिम वाली साम्प्रदायिक बात नहीं है। गृह मंत्री जो इस बात को कई बार यहां दोहरा चुके हैं, कई बार कह चुके हैं कि वहां कोई भी साम्प्रदायिक घटना नहीं है। वहां के आतंकवादियों की भी जो गतिविधियां है, उसि तरह से उन्होंने लोगों को मारा है, अगर उन्होंने मि० खेड़ा को मारा है तो वाइस चांसलर मि० मुशीरुल हक को भी मारा है। अगर उन्होंने एन० के० गंजू और लाला फूल को मारा है तो अब्दुल सत्तार, मीर गुलाम मुस्तफा, गुलाम नबी कुल्लेर, गुलाम हसन तबस्सुम को भी मारा है। तो महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि जब वहां बिल्कुल स्पष्ट है कि कोई भी आतंकवादी यदि किसी अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक को मारने में कोई अन्तर नहीं करता तो वहां के अल्पसंख्यक हिन्दुओं को वहां से भागने के लिए किसने उकसाया; और इनके बहुत काबिल गवर्नर, बहुत समझदार, बहुत विश्वासपात्र गवर्नर का उसमें क्या रोल रहा और उन गवर्नर महोदय ने उनको रोकने के लिए क्या किया ? शुरू में जो अल्पसंख्यक शारणार्थी वहां से आये, क्या माननीय गवर्नर महोदय ने उनको यातायात के साधन भी उपलब्ध कराए ?

माननीय अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं यह भी जानना चाहता हूं कि वहां अब तक जो तथाकथित आतंकवादी पकड़े हैं 1100 से ऊपर क्या वह वास्तव में सब आतंकवादी हैं ? और अगर आतंकवादी हैं तो वह किन-किन आतंकवादी घटनाओं में शरीक हैं ? महोदय, मैं इस सरकार की कार्यक्षमता और बाहदुरी को अच्छी तरह जानता हूं। बहन रुबिया को पकड़ने वाले आतंकवादी और बहन रुबिया को छुड़वाने के लिए जिन पांच आतंकवादियों को सरकार ने छोड़ा था उनमें से मैं जानना चाहता हूं कि इन्होंने कितने आतंकवादी ... (व्यवधान)

श्री सभापति : सवाल कीजिए ।

डा० अबरार अहमद खान : अध्यक्ष महोदय, मैं सवाल ही कर रहा हूं । उन पांच आतंकवादियों में से इस सरकार ने कितने आतंकवादियों को पकड़ा ? जेल से जो 12 आतंकवादी फरार हो गए थे जिसमें एक आतंकवादी फारुक अब्दुल्ला को मारने के लिए तैयार भी था उसमें से कितने आतंकवादियों को इन्होंने पकड़ा और मैं माननीय गृह मंत्री जी से, श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद साहब से यह जानना चाहता हूं कि क्या उन पांच आतंकवादियों को छोड़ते समय यह भी आश्वासन दिया गया था कि हम आपको छोड़ रहे हैं, आपको दुबारा नहीं पकड़ेंगे, लेकिन आप हमारे परिवार के किसी भी व्यक्ति को दुबारा किडनैप नहीं करेंगे ?

श्री सुबोध कांत सहाय : इस तरह का कोई आश्वासन नहीं दिया गया था अध्यक्ष महोदय, और जो आतंकवादी पहले छोड़े गए थे इस सरकार के आने से पहले या अभी, तो पुलिस तत्पर है, उन सारे लोगों को पकड़ेगी और उनको सजा देगी और किसी को नहीं कहा गया है कि बाद में नहीं पकड़ा जाएगा । इसलिए माननीय सदस्य, हम यहां जो आतंकवादी घटना हो रही हैं उसकी लीपापोती और छिपाना नहीं चाहते हैं । लेकिन हम चाहते हैं जो परिस्थिति है उसके साथ आपकी भी भावना लेकर के इस लड़ाई को लड़ा जाए, यह हमारा उद्देश्य है और इसलिए अगर और कुछ जानना चाहते हैं तो मैं बताने को तैयार हूं ।

डा० अबरार अहमद खान : अध्यक्ष महोदय, जो 12 आतंकवादी जेल से भागे थे क्या उन में से किसी को पकड़ा और इन पांच में से किसी को पकड़ा ? यह मेरे सवाल का कोई जवाब नहीं है । जो मैंने सवाल किए उनका जवाब बिल्कुल गोलमोल है ।

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : जो 12 आतंकवादी जेल से भागे थे उसमें एक अब्दुल रशीद था जिसने डा० फारुक अब्दुल्ला की हत्या करने का प्लान बनाया था, वह अनंतनाग में एक एनकाउंटर हुआ पैरा मिलिट्री फोर्सेज के साथ, उसमें मारा गया । दूसरा है जो पांच छोड़े गए थे उसमें से एक हमीद जरगर पकड़ा गया है । जब वहां श्रीनगर में एक हाईड आउट हुआ उसने वह पकड़ा गया ।

डा० अबरार अहमद खान : अल्पसंख्यकों के बारे में जो मैंने सवाल पूछा उसका इसमें कोई उत्तर नहीं है कि अल्पसंख्यक वहां से क्यों आए, जबकि वहां कोई साम्प्रदायिक बात नहीं थी और माननीय गवर्नर महोदय का उसमें क्या रोल रहा ? पहले इसका उत्तर दिलवायें ताकि मैं दूसरा सप्लीमैन्ट्री सवाल पूछ सकूं ।

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : माननीय सदस्य ठीक कह रहे हैं कि कश्मीर में कोई कम्युनल इंसिडेंट नहीं हुआ । खुदा-न-खास्ता किसी मंदिर या किसी अल्पसंख्यक के आदमी को किसी ने चोट पहुंचाई या जख्मी किया या मारा, यह देखने में नहीं आया । आतंकवादियों के स्पैसिफिक टारगेटस थे लेकिन एक फीयर साइकेसिस पैदा हुआ, लोगों में डर पैदा हुआ । बहुत तादाद में लोग मारे गए उससे डर पैदा हुआ ? सिर्फ कश्मीरी जनता ही नहीं बल्कि जो वहां नैशनल पार्टीज हैं—कांग्रेस, नेशनल कांफ्रेंस तथा और भी बहुत से लोग जम्मू में हैं तथा बहुत से लोग दिल्ली में है । इसलिए उनको किसी ने नहीं भगाया । बल्कि एक खौफ का माहौल पैदा होने की वजह से वह यहां आ गए और हमारी कोशिश है कि वह फिर वापस चले जाएं तथा वहां की जो लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति है वह सुधर जाए ।

डा० अबरार अहमद खान : अध्यक्ष जी, गवर्नर साहब के रोल के बारे में मुझे कोई उत्तर नहीं मिला । अतः मैं आपका संरक्षण चाहता हूं कि मेरे दूसरे सप्लीमैंटरी के साथ मंत्री जी, इसका जवाब दें ।

श्री सभापति : पहला जो सप्लीमेंटरी था उसका जवाब नहीं दिया गया है, उसे पूरा करें।

डा० अबरार अहमद खान : महोदय, दूसरे सप्लीमेंटरी में मैं यह जानना चाहूंगा कि गत तीन महीनों के 90 दिनों में से कितने दिन ऐसे हैं जब पंजाब और कश्मीर में कोई व्यक्ति नहीं मारा गया है और उसके साथ साथ कश्मीर में हम यह खबरें पा रहे हैं कि कश्मीर के अंदर जो तलाशियां हो रही हैं और हम माननीय मंत्री जी को रोज़ दिन टी०वी० पर वक्तव्य देते हुए देखते रहते हैं कभी जम्मू से, कभी कहीं से और महाराजा विश्वनाथ प्रताप सिंह के भी दर्शन करते हैं। तो मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहूंगा कि क्या वह जम्मू कश्मीर में रहने वाले लोगों का साफ बयान टी०वी० पर बताएंगे कि तलाशियों के दौरान उनके साथ क्या हो रहा है ?

श्री सभापति : यह तो इनफारमेशन एंड ब्राडकास्टिंग मिनिस्टर का सवाल हो गया।

डा० अबरार अहमद खान : महोदय, मैं यह जानना चाहूंगा कि जो भी कुछ वहां एंटी नेशनेलिस्ट लोग थे, तो उनके विरुद्ध सरकार ने अब तक जो कार्य किया है, कारगुजारी की है उसके फलस्वरूप उनकी संख्या में क्या कमी आई है ? कितने लोगों को एंटी नेशनेलिस्ट मानते थे और आपने जो कारगुजारी इन दिनों में की है उससे इनकी संख्या कितनी घटी है ?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : महोदय, मुझे इस बात की सैटिस्फैक्शन है कि श्रीनगर में अब की बार जो तलाशियां हुई है उनमें किसी किस्म की लोगों को दिक्कत नहीं हुई। जहां भी तलाशी ली गई वहां सी०आर०पी० की लेडीज़ पुलिस की दो कम्पनियों को साथ रखा गया और वहां के लोगों से कहा गया कि यह हमारी मजबूरी है कि हमें आपके घर में तलाशी लेनी पड़ रही है ताकि आतंकवादी छिपें नहीं।

मैं श्रीनगर गया था। बहुत से लोग मुझे मिले। उन्होंने कहा कि अब की बार जहां तक तलाशियों का प्रश्न है कोई हैरेसमेंट नहीं हुआ है। आराम से तलाशी हुई है और लोगों ने एप्रीशिएट किया है, आप आइए। जिनकी तलाशी नहीं हुई, उन्होंने भी कहा कि हमारी तलाशी ले लीजिए। हमने कोई ऐसी बात नहीं की है। अब की बार सिक्योरिटी फोर्सेज ने पूरा प्रिकाशन लिया कि कोई हैरेसमेंट का सवाल पैदा न हो।

SHRI SHABBIR AHMAD SALARIA: Mr. Chairman, Sir, firstly, will the hon. Minister give the number of persons arrested, in the age-group 11-12-Kashmiri youth between the ages of 11 and 12—and transported outside the State? Is it correct that the persons arrested—these boys —were blindfolded, their hands tied to their backs and they were, in that manner, carried?

Secondly, is the hon. Minister aware of the report of the UNO group and what has he to say about it? It is correct that in that report—the hon. Minister also admits implicitly that the searches which were made, the combing operations which were done, earlier were bad but that there is nothing wrong now—allegations have been made that during the combing operations there have been molestation, removal of ornaments or destruction of provisions which the people had in their home in the curfew which was a very long spell. All this has happened.

Thirdly, is he aware of Mr. George Fernandez's statement that 19 women died during the curfew because they could not get medical assistance during labour? Also, is it correct that the number is not 19 but 319? Is he aware of the fact that 726 babies died because of lack of milk, non-availability of milk?

He may kindly reply to these points. Firstly, the number of persons arrested between the age group of 11 and 12 who have been carried out of the State blind-folded. Secondly, what has he to say about the report of the U.N. regarding combing operations and other things? Thirdly, what has he to say about the number of women who died in labour and the children who died for want of milk during the curfew?

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: Sir, this is a sort of disinformation campaign which is being spread about the State Administration. I have alreay said that there is no incident or complaint about the harassment of individuals during the combing operations. There are no such incidents . . .

SHRI SHABBIR AHMAD SALARIA: The boys were brought blindfolded.

Mr. Minister, may I explain... (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN: Do not interrupt. He is also from Kashmir. Let him say.

SHRI SHABBIR AHMED SALARIA: My submission is that I am at the airport. The BSF aeroplane comes. The boys of 11 and 12 age-group are blind-folded with their hands tied at the back. They are thrown in the truck like baggage on their backs. This is what I saw. what does the Minister say about this?

MR. CHAIRMAN: He will find out. This is the information he has given and he will find out.

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: I have to say something. Let me say. (*Interruptions*). I must say that the paramilitary forces have done their duty with utmost restraint. (*Interruptions*). It is not correct. It is absolutely incorrect. It is a sort of campaign...

SHRI SURESH KALMADI: Why don't you deny what the hon. Member is saying?

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: I deny it and I say that it is a malicious campaign.

SHRI M. M. JACOB: An hon. Member of the House says that he has seen this with his own eyes. How can he deny this without going into it?

SHRIMATI MARGARET ALVA: Do you want to say that he is telling a lie?

MR. CHAIRMAN: Here is an hon. Member of Parliament, who is saying something. I only want that you should get it enquired into and find out what the facts are. (*Interruptions*).

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, I must submit that the Home Minister cannot bulldoze us like this. The hon. Member of this House says that he is an eye-witness to the atrocity. He does not have the courtesy of saying that he will enquire into it. Even, he says that he idenies it. He should have the courtesy to...

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : मैं यह कहना चाहता हूं कि ऐसे इंस्टांसेज हुए हैं जब श्रीनगर में पैरा-मिलिटरी फोर्सेज ने कोई ऐक्शन लिया तो जहां दस लोग मारे गये थे वहां लोगों ने कहा कि 50 मरे । कोई प्रेस पार्टी गयी तो ... **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : सीधा सा सवाल है उसका जवाब दीजिए । **(व्यवधान)**

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : मैं यह कहना चाहता हूं कि वेरीफाई करने के बाद यह मालूम हुआ कि ऐक्जैग्रेटेड है । इस तरह से कर्फ्यू के दौरान ... **(व्यवधान)**

SHRI N. K. P. SALVE: Why doesn't he say that he will enquire and come back to the House? That will satisfy us.

यह ऐसे मामले हैं कि जितना लम्बा-चौड़ा इसको करते जायेंगे उतना ही मामला बिगड़ता चला जायेगा। (व्यवधान)

श्री शंकर दयाल सिंह: मंत्री जी जब जवाब देने के लिए खड़े होते हैं तो दस-दस मैम्बर बोलने खड़े हो जाते हैं। मैं यह ठीक नहीं समझता। मैं यह कहना चाहता हूं कि मंत्री जी जो जवाब दे रहे हैं वह जवाब आप सुनिए। (व्यवधान)

श्री शब्बीर अहमद सलारिया: जार्ज फर्नांडीज कहते हैं कि जो औरतें मरी हैं वे लेबर के वक्त में मरी हैं। आप क्या करेंगे? वह क्या शहरी नहीं थे? (व्यवधान) बच्चों को पीने के लिए दूध नहीं मिला? (व्यवधान)

SHRI SURESH KALAMADI: Do you deny this also?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद: मैं यह कहना चाहता हूं कि आनरेबल मैम्बर श्री सलारिया ने कहा कि इन ग्यारह साल के बच्चों को पकड़ कर आखें बंद करके लाया गया। (व्यवधान) इसी तरह से दूसरे उन्होंने कहा कि 19 औरतों को ... (व्यवधान)

श्री शब्बीर अहमद सलारिया: जार्ज फर्नांडीज ने कहा है 19 हैं जबकि असल नम्बर 319 है। ... (व्यवधान)

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद: आनरेबल मैम्बर ने जो कहा है मैं इसको पूछताछ करके देख लूंगा कि यह सही है या नहीं। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि पैरा मिलिटरी फोर्सेज को इमेज डिस्ट्राय करने के लिए विस्परिंग कैम्पेन, कांसिस्टेंट कैम्पेन चल रहा है। (व्यवधान)

SHRI SURESH KALMADI: He is an eye-witness. It is no whispering campaign.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया: कृपानिधि से पूछिए क्या बात है। (व्यवधान) 11 साल के बच्चों को पकड़ा गया (व्यवधान) यह पैरा मिलिटरी का काम है क्या? (व्यवधान)

AN HON. MEMBER: Hon. Members should be restrained...

SHRI VISHVJIT P. SINGH: It is not a whispering campaign. He is an eye-witness. He is not campaigning. He is saying it outright, The hon. Member, Shri Salaria, is saying it outright.

MR. CHAIRMAN: Kindly sit down.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया: मैम्बर किसी के खिलाफ आरोप लगा रहे हैं तो यह कह रहे हैं कि रयूमर फैला रहे हैं। उसको बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। यह आरोप लगाया जा रहा है। यह किस तरह का आरोप है। (व्यवधान)

SHRI P. SHIV SHANKER: Sir,...

SHRI VISHVJIT P. SINGH: He must withdraw his remarks.

SHRI SURESH KALMADI: He has said, "whispering campaign by Members of Parliament." He must withdraw that remark...He has said it.

MR. CHAIRMAN: Not only did I not hear it but I also found out that he did not say "by Members of Parliament."

SHRI P. SHIV SHANKER: The hon. Member referred to United Nations Officials' report. What have you to say to that? He has referred to it. What is your reaction? You do not want to answer either 'yes' or 'no'. (*Interruptions*).

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: They have no business to interfere in our internal affairs. (*Interruptions*)

SHRI P SHIV SHANKER: He is saying on the atrocities... (*Interruptions*) I am asking the Minister. I am not asking you. The question has been asked. What is his reaction? (*Interruptions*).

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: UNO has nothing to do with it. It should not be quoted...Please don't quote that.

SHRI P. SHIV SHANKER: Speaking for myself...Please allow me to speak...The Member has asked a question... (*Interruptions*)...Will you allow me to speak or not?

...(*Interruptions*)...

SHRI DIPEN GHOSH: Our Government is not supposed to...

SHRI P. SHIV SHANKER: I must be allowed to say what I have to say. The honourable Member has relied on the report. We do not believe in such reports. But what has the Minister to say about it?

SHRI I. K. GUJRAL: Sir, at this stage may I seek your permission to clarify? Since a question of the United Nations has been raised, may I say categorically that there is no report from the United Nations? Pakistan did raise the issue in Human Rights. It was adequately replied.

...(*Interruptions*)...

SHRI SURESH KALMADI: That is all I wanted. But why this panicking?

...(*Interruptions*)...

SHRI DIPEN GHOSH: What has the United Nations got to do with it?

SHRI P. SHIV SHANKER: Question passed must be properly dealt with.

...(*Interruptions*)...

SHRI DIPEN GHOSH: Should the Government advise the United Nations?...(*Interruptions*)...You know the role that the United Nations played in various African and Latin American countries.

MR. CHAIRMAN: I may advise that the agitated Members on both sides should go to the Central Hall and settle it there. Now, Shrimati Kenia.

SHRI DIPEN GHOSH: The advocate of the United Nations has come here.

कुमारी चन्द्रिका प्रेमजी केनिया: सभापति जी, कुछ दिन पहले शिवसेना के लोग जम्मू गये थे और हम चाहते थे कि रिफ्यूजी कैम्प्स में जो लोग कश्मीर छोडकर बसे हुए हैं उनकी परिस्थिति का मुआयना करें। हमने उनसे बातचीत की तो पता चला कि 22 हजार फ़ेमिली काश्मीर छोडकर वहां आये हुए हैं। उनको मजबूर किया गया, फ़िअर साइकेसिस पैदा किया और आतंकवाद इतना चला कि लोगों की जानमाल को खतरा पैदा हो गया। इस वक्त 22 हजार हिन्दू फ़ेमिलीज जम्मू में आये हुए हैं या दूसरी जगहों पर बसे हुए हैं। इसलिए मेरा पहला सवाल आपके जरिये से मंत्री महोदय से यह होगा कि क्या यह सही है, हकीकत है कि इन परिवारों में हिन्दू फ़ेमिलीज के लोग हैं? दूसरी बात मैं आप के जरिये से मंत्री महोदय से यह पूछना चाहती हूं कि रिफ्यूजी कैम्प्स में जो सुविधायें दी गई हैं उन पूरे रिफ्यूजी कैम्प्स को हमने देखा है और देखने से यह पता चलता है कि वहां पर सुविधा के नाम पर असुविधा है और राशन का कोई बंदोबस्त नहीं है, टेन्ट उजाड वीरान जंगल में बसाये गये हैं, उनको 500 रुपया मिलता है, लेकिन वह कागज पर है, इसलिये इन कैम्प्स में लोगों को जो असुविधायें मिल रही हैं उनको आप कब दूर करेंगे? तीसरी बात मैं यह पूछना चाहती हूं कि नार्मल सिचुएशन आप काश्मीर में कब पैदा करेंगे ताकि ये रिफ्यूजी कैम्प्स में रहने वाले लोग वापस काश्मीर में जा सकें, अपने मादरे वतन में जा सकें?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : सर, मैं खुद जम्मू में रिफ्यूजी कैम्प देखने गया हूं ।

SHRI SURESH KALMADI: This is an eye-witness account.

...(*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: This is an example of the Congress-Shiv Sena combine...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: What is wrong with you today? Please sit down.

SHRI JAGESH DESAI: Sir, the words "Congress-Shiv Sena gathbandhan" should be expunged. I am a Congressman, Sir, and I have been fighting the Shiv Sena all my life. If he makes this kind of allegations, he did no have the leave of the Chair and, as such, they should be expunged.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I made a statement of fact.

SHRI P. SHIV SHANKER: The general allegation about the "gathbandhan" must be expunged...(*Interruptions*)...

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, they can abuse us to the best of their ability but cannot make this allegation against us. We are fighting against the Shiv Sena every inch. (*Interruptions*)

SHRI SURESH KALMADI: It is the BJP-Shiv Sena combine, not the Congress-Shiv Sena combine...(*Interruptions*)...

SHRI N. K. P. SALVE: We are not agreeable to Congress-Shiv Sena combine. It is the BJP-CPI. Shiv Sena *gathbandhan*. (*Interruptions*)

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : हम तो खुल्लमखुल्ला कहते हैं कि...(व्यवधान)...

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: They want to hide their faces.

SHRI DIPEN GHOSH: Mr. Salve and Mr. Jagesh Desai know it. (*Interruptions*)

SHRI N. K. P. SALVE: It is a very highly defamatory statement so far as we are concerned. Therefore, I submit that it must be expunged. (*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Who supported the Shiv Sena?

SHRI N. K. P. SALVE: We have nothing to do with them.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: The Janata Dal, the BJP and the Shiv Sena are having *gathbandhan*.

MR. CHAIRMAN: Members, kindly remember that this is Question Hour, and not a slanging match going on like this.

So far as the allegation is concerned, the allegation was made. It has been denied, and it has been noted. The Congress (I) has totally denied any *gathbandhan*. (*Interruptions*) And you have been supported by the BJP. Now why are you worried? (*Interruptions*) Mr. Minister, now kindly Let us proceed with the Question Hour...

(व्यवधान)...अब मैं क्या करूं कुलकर्णी जी आप अब समझाइये अपने लोगों को ।

SHRI A. G. KULKARNI: Sir, you are the Chairman. I am not the controller.

श्री सभापति : आपके पड़ोस वाले हैं, आपको उनको समझाना चाहिये ।

SHRI A. G. KULKARNI: Everybody wants to shout here. I am only hearing the shouting. If we are going to waste the Question Hour

by shouting everyday, let it go on, What can I do?

SHRI V. GOPALSAMY: You could advise at least Mr. Kalmadi.

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : सर, वहां जितने भी कश्मीर से माइग्रेंट आये हैं, उनके लिये वहां की स्टेट सरकार ने इंतजाम किये हैं । कुनबे को एक हजार के करीब और जो खाने की चीजें हैं वे मुहैय्या की गई हैं । लेकिन टैंटों में रहने का पूरा इंतजाम नहीं है । वे एक खुशगवार सर्द इलाके से आये हैं, हां खुले मैदान में कैम्प हैं, फ़ैंस का ठीक इंतजाम नहीं है । मैं मुतमईन नहीं था उस इंतजाम से । यहां आकर जो भी व्यवस्था करनी होगी व अगले दो-तीन दिन में पूरी हो जायेगी ।

दूसरा सवाल जो इनका है, वापस जाने के बारे में, वहां स्टेट सरकार से हमने यह कह दिया है कि जैसे आपने नगरोटा में कैम्प रखा है, जम्मू में...

श्री माखनलाल फोतेदार : स्टेट सरकार आपकी सरकार है ।

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : हमारी सरकार है । वहां कोई मकान नहीं है, वहां पर मकान में नहीं रहते हैं । हमने कहा है कि इस जिले में भी, जैसे अनन्तनाग में, या श्रीनगर में और नगरोटा में रहते हैं तो वहां भी रह सकते हैं, इसलिये वहां उनका इंतजाम किया जाये । हमारी कोशिश है कि जितनी जल्दी हो सके वे अपने घर वापस चले जायें ।

SHRIMATI MARGARET ALVA: Sir, I believe that half the confusion is being caused in Jammu and Kashmir because there are too many Ministers meddling.

MR. CHAIRMAN: What is your question?

SHRIMATI MARGARET ALVA: I am coming to it. Once you have the Home Minister replying. At other times you have the Foreign Minister standing up and replying in the midde.

SHRI ASHWANI KUMAR: He replied about the UNO.

SHRIMATI MARGARET ALVA: Only Mr. George Fernandes is not here to answer the questions.

I want to ask specifically whether, in view of the statement the Foreign Minister just made that they take no heed of the U.N. Observers Mission in Jammu and Kashmir and that they are not concerned, as the Home Minister said, with their views and what they are doing and that they have no locus standi, the Government would ask for withdrawal of the U.N. Observers post in Jammu and Kashmir and take a firm stand on this and tell us that they are for withdrawing of the United Nations Observers post there.

SHRI ASHWANI KUMAR: Confusing question.

SHRIMATI MARGARET ALVA: Secondly, Sir, I would like to know from the hon. Minister whether, in view of the fact that one of the leaders of the BJP, their partner, has recently demanded that they should go across the border and smash the training camps on the other side of the border, the Government is prepared to accept this proposal and take pre-emptive action rather than wait until havoc is created this side.

SHRI G. G. SWELL: Sir, I am on a point of order. The hon. lady Member...

MR. CHAIRMAN: Mr. Swell, you had been a Deputy Speaker. you know there is no point of order during Question Hour.

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: I made it absolutely clear that as far as the UN observers are concerned, it is not their job to interfere in our internal affairs. Kashmir is part of our country and which ever way we deal with it, it is none of their business to go and inquire and report.

SHRIMATI MARGARET ALVA: Sir, my question has not been answered. I wanted to know whether he will ask for the withdrawal of the UN Observers' Post in J & K.

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED: They are there to supervise the line of actual control. They have nothing to do with our internal affairs.

MR. CHAIRMAN: S. Q. No. 23.

SHRIMATI MARGARET ALVA: Sir, he has not answered my question.

Committee on J & K

*23. SHRI SYED SIBTEY RAZI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have constituted a Committee to take steps to restore normalcy in Jammu and Kashmir;

(b) if so, the names of members of this Committee;

(c) what are the terms of reference of this Committee;

(d) what would be its relationship with the Home Ministry and the details of the functions of the Committee;

(e) whether the Committee would give directives to the State Government to ensure normalcy in the State; and

(f) if so, what would be the constitutional sanctity of the directives to be issued to the Government of Jammu and Kashmir?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) No, Sir.

(b) to (f) Do not arise.

SHRI SYED SIBTEY RAZI: I am sorry that this Government has not seen the announcement of its own Prime Minister, which was made on 11th March, 1990 and which was covered by all the leading dailies of India. I quote from *The Hindustan Times*, just in support of my question. I need your protection also because the Home Minister has totally denied my question. I had asked whether it is a fact that the Government has constituted a Committee to take steps to restore normalcy in Jammu and Kashmir. The Government has replied "No". So, Sir, I quote from *The Hindustan Times*:

> The Prime Minister, Mr. V. P. Singh, today entrusted the Railway Minister, Mr. George Fernandes, with the additional charge of Kashmir Affairs and constituted a six-Member Committee to assist him in initiating steps to restore normalcy in the Valley. The Committee representing major political parties consists of Mr. Surendra Mohan of National Front, Mr. Ghulam Rasool Kar of Congress(I), Mr. Kedar Nath Sahni of BJP, Mr. M. Farooqi of CPI, Mr. Saifuddin Choudhury of CPM and Mr. P. L. Handoo of National Conference.

Now, I would like to know from the Minister when this type of announcement had been made by the Prime Minister, how the Government had denied it blatantly. It has violated the privilege of a Member also by not coordinating with the working of the Prime Minister's Office. I do not know whether the Prime Minister has constituted this Committee in his